शोध मंथन Vol. XV No.I Jan.-Mar.2024 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

# भारतीय समकालीन कला में चित्रकार अभिषेक सिंह का योगदान

प्राप्तिः 14.03.2024
स्वीकृतः 25.03.2024

17

**डॉ० ओम प्रकाश मिश्रा**
प्राचार्य
मिनेर्वा इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंएंड एंड टेक्नोलॉजी
देहरादून (उत्तराखण्ड)
ईमेलः *mishraop200@gmail.com*

**शिवानी पवार**
शोधार्थी
मिनर्वा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉज, देहरादून (उत्तराखण्ड)

***सारांश***

*आज के युग में जबविज्ञान और तकनीक ने अपनी ऊंचाईयों को छु लिया है वहीं पर अभी कला और संस्कृति की गहराइयों में कुछ कलाकार अपने क्षेत्र में चमक रहे हैं वहीं अभिषेक सिंह एक प्रशिक्षित कलाकार, अपनी कला के माध्यम से भगवान के अनेक रूपों कोसमाज तक पहुंचा रहा है और व्यक्तियों और धरोहर के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, उनकी प्रतिभा और चित्रों की मधुरता सेउनका कला समाज में गहरा प्रभाव छोड़ रहा है जिससे हमारी संस्कृति विरासत को नए और महत्वपूर्ण रूप से अनुभव होने का अवसर मिल रहा है।*

***मुख्य बिन्दु***

*समकालीन, उपन्यास, प्राकृतिक कलाकार।*

समकालीन कलाकार अभिषेक सिंह का काम अपनी अनूठी शैली और कहानियों के लिए दुनिया भर में जानें चाहते हैं इन्होंने अपने काम में पौराणिक कथाओं और प्रकृ ति को सहजता से बनाया है हजारोंस्ट्रोक्स, शानदार बनावट, सभी संभावित दृष्टिकोण और यह बहुत सारी जिज्ञासा से भरे हुए हैं।

अभिषेक सिंह का जन्म जुलाई 1982, ग्वालियर में हुआ था। आधुनिकीकरण ओर सादगी का पाठ झारखंड के जमशेदपुर की सड़कों से प्राप्त हुआ और यहीं से उन्होंने स्कूली शिक्षा प्राप्त की। यह बचपन में स्कूल से सफेद चौक अपने घर लाते थे और घर की दीवारों पर ही पेंटिंग बनाना शुरू किया था। फिर वह वडोदरा गए और वहाँ के प्राकृतिक दृश्यों से इतना सम्मोहित हो गए थे कि उन्होंने अपने आगे की शिक्षा वही के महाराज सयाजीराव विश्वविद्यालय ओके

ललित कला संकाय से चित्रकला की 1997–2003 तक उपाधि प्राप्त की। ओर राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में ऐनिमेशन ओर फिल्म डिजाइन का अध्ययन किया।

अभिषेक सिंह ने डिजाइन अध्ययन के बाद भारत की गहरी, समृद्ध कहानियों का अनुभव करने और उन्हें आत्मसात करने के लिए देश भर में यात्रा कि और अपनी पहली कॉमिक बुक कार्यों के लिए जाना जाता है जिसमे वर्जिन कॉमिक्स द्वारा प्रकाशित दीपक चौपड़ा और सेखर कपूर की रामायण 3392 ईसवी के लिए दृश्यकला का सह–निर्माता और काली, शिव, इंडिया ऑथेंटिक सीरीज के लिए दृश्य कलाकार शामिल थे। इनका अनुवाद इतालवी, स्पेनिश, फ्रेंच ओर अंग्रेजी में भी किया है

अभिषेक सिंह ने कार्टून नेटवर्क, होनक–कान्ग और भारत के लिए एनीमेशन एमिरेट्स को भी डिजाइन और विकसित किया है। उन्होंने "अर्जुन–दवॉरियर प्रिंस" में निर्देशक के रूप में काम किया। अभिषेक सिंह ने कई अघोषित लाइव एक्शन और एनिमेटेड परियोजनाओं पर एक अवधारणा कलाकार के रूप में सेवाकी है।

अभिषेक सिंह ने उन चीजों को उजागर करने का प्रयास करते हैं जो सदियों से पूजनीय और पूजी जाती है और प्रत्येक काम में उनकी निरंतर शक्ति और ताजा प्रासंगिकता को और बेहतर ढंग से अपनी कला और कहानियों के माध्यम से व्यक्त करने कहाँ प्रयास करते हैं। अभिषेक सिंह की प्रसिद्ध चित्राएक नदी आत्मा, आदि शक्ति, मौलिक ऊर्जा, आदि शिव, आदि परमेश्वर, गंगेश्वर : गंगा नदी का जन्म, महाकाली समुद्र मंथन, रेन मेकर आदि हैं।

अभिषेक सिंह ने वाराणसी में शिव का चित्रण किया है जिसे शिवइन वाराणसी के नाम से जाना जाता है अभिषेक ने अपनी कला और विचारों के माध्यम से भगवान शिव के अनेक रूपों का वर्णन किया है। जो "सुदेश्वर" सर्वसुन्दर है, वे एक वर्त्यसाधु हैं, पशुपति है, प्राणियों के भगवान हैं, वे सदाशिव है, सर्व सास्वत, वे गणेश मे संरक्षक "यजत" है, कार्तिकेय मे पृथ्वी के स्वामी, वह अपने सहस्त्र चक्र पर "आदिशक्ति" को सुशोभित करते हैं।

अभिषेक सिंह नेसदाक्षैवः ध्यान करने वाला महासागर चित्रण किया है जिसमें साधक शिव, ध्यानमग्न शिव और योगसूत्र में उल्लेखनीय हैंकि हमारे शरीर से 108 चक्र है। जो प्रतीकात्मक रूप से सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी को दर्शाते हैं, जो कि 108 गुना है, फिर भी वास्तव में प्रकाशित होनेके लिए सभी को असीम विनम्रता की आवश्यकता है। यही सब चित्र में दर्शाया गया है है। अभिषेक सिंह ने वाराणसी में "समुद्र मंथन शिव द्वारा विषपान" पर चित्रण किया है इस चित्र में समुद्र मंथन के दृश्य को अद्वितीयता से चित्रित किया है वह शिव को हलाहल विष पीते हुए दर्शाया है जिसमें उनकी वीरता और ध्यान का महत्वपूर्ण अंश उजागर होता है इसचित्र में रंगों और रेखाओं के माध्यम से उन्होंने इससे अद्वितीय संघर्ष की ऊर्जा और अभिनय को अभिव्यक्त किया है।

अभिषेक सिंह ने कहा "हाथी जंगलों के निर्माण का अभिन्न अंग है"। अभिषेक ने पहाड़ों का दौरा किया और वहीं से उनके मनहाथियों को देखने के लिए प्रेरित हुए और वहाँ से स्वयं को हाथियों

की स्थिति के बारे में शिक्षित करने के लिए विभिन्न हाथी संगठनों के साथ काम किया। और वही हाथियों की लाइफ पेंटिंग भी की ओर हाथियों से प्रभावित होकर अभिशेक ने हाथी के सिरवाले देवता गणेश की पेंटिंग भारतीय धर्म और संस्कृति पर आधारित बनाई जिसे "रेनमेकर"नाम से जाना जाता है। अभिषेक ने 14 से 17 जनवरी 2020 में एमोरी स्टूडेंट सेंटर (ESC) में हाथी के सिरवाले हिंदू देवता गणेश को चित्रित किया है। जिन्हें बाधाओं को दूर करने वाले के रूप में जाना जाता है, हिंदू मान्यताओं में हाथियों को बारिश से जोड़ा जाता है इसलिए इसे "रेनमेकर" चित्र कहा है। इसमें लताओं और फूलों से लदी शाखाएँ गणेश के सिर में उभरी हुई है, हाथी अपने प्राकृतिक आवास में पनपते हुए देवता को घेरे हुए है और यह पेंटिंग भूरे रंग के साथ काले, सफेद रंग की है। इस चित्र को तीन कैनवास मे बनाया है। पहले कैनवास में जंगल के रूप मे गणेश और दूसरे में अमसु और जीवा की मूल कहानियाँ और तीसरे में ऐरावत की कहानियाँ बनाई गई है।

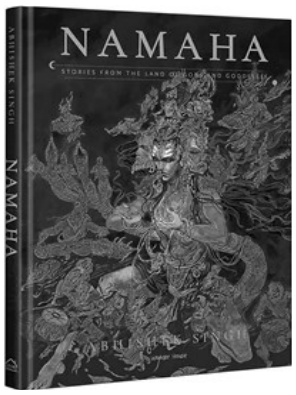


अभिषेक सिंह सम्मोहक चित्रण और मनमोहक पाठ के साथ कहानी कहने की अपनी अनूठी शैली के लिए दुनिया भर में प्रशंसित है और सिंह के काम, पाठको को भारतीय पौराणिक कथाओं की काल्पनिक दुनिया में ले जाता है अभिषेक सिंह द्वारा प्रकाशित पुस्तकें कृष्णा–ए जर्नी विदिन, नमः और पूर्णिमा मे स्वयं ही लेखन और चित्रण कार्य किया है। अभिषेक की 2012 में इमेज कॉमिक्स द्वारा प्रकाशित ग्राफिक उपन्यास कृष्ण–ए जर्नी विदिन है। अभिषेक सिंह अपनी पुस्तक नमः (2019 में प्रकाशित) के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है जिसमें देवताओं की कहानियाँ जो भारत के प्राचीन ज्ञान साहित्य से प्रेरित लघु कथाओं का एक संग्रह है।

अभिषेक सिंह की पेंटिंग, डिजिटल कृतियों की विस्तृत श्रृंखला की अनेक प्रदर्शनियों लगी है।

1. **नायक और खलनायक :** लॉस एंजिल्स काउण्टी म्यूजियम ऑफ आर्ट (LACMA) मे भारत की कॉमिक्स में अच्छाई की लड़ाई को प्रदर्शित किया है।
2. **भारत के उत्कृष्ट देवता :** ह्यूस्टन, टेक्सास में एशिया सोसायटी सेंटर में दिव्यता की हर दिन घटना को प्रदर्शित किया है।
3. **ध्यान रूपा :** दिल्ली भारत में ललित कला ओर साहित्य अकादमी मैं निरूला फैमिली आर्ट ट्रस्ट द्वारा प्रयोजित है।
4. **बर्निंग मैन में दूरदर्शी :** फैक्टल गैलरी में ब्लैक रॉक आर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया।

अभिषेक सिंह का प्रतिनिधित्व देवताओं के बारे में उनके गहन ज्ञान से पता चलता है जो भारतीय संस्कृति और धर्म के विषय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अभिषेक सिंह एक महान कलाकार हैं जिन्होंने अपनी कला में प्राकृतिक सांस्कृति और आध्यात्मिक को अनोखा रूप दिया है इनका कहना है कि यहाँ अपने कला के माध्यम से लोगों को अपनी संस्कृति बताना चाहते हैं और वर्तमान में इनको 5 फरवरी 2024 को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में आमंत्रित किया था।

## निष्कर्ष

अभिषेक सिंह जैसा कलाकार हमारे समाज में एक महत्वपूर्ण स्थान बना रही है अपनी प्रतिभा और कला के माध्यम बता रहे हैं उनकी कला न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर कोसंजीव बनती है बल्कि समाज के हर वर्ग तक और होने वाली पीढ़ियों तक अपने संस्कृति को पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

इनकी पुस्तक ओर चित्रों मेंसंस्कृति और पौराणिक धर्म के विचारों को बहुत आधुनिक तौर पर व्यक्तियों को प्रधान करती है अभिषेक सिंह की कला एक अनोखा संपर्क है जो हमारे पुराने और नए संस्कृति तत्वों को एक साथ लाती है और इससे हम सभी को समाज के सामने रखने का समर्थन मिलता है।

इस प्रकार हमारा फर्ज बनता है कि हम उनकी कला और प्रतिभा को सराहना दे और उसके मेहनत को समझ कर प्रशंसा करें उनकी से हमारे समाज को एक नया दृष्टिकोण मिला है जिससे हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को समझने में उसे एकत्र करने में सक्षम होते हैं।

## संदर्भ

1. https%//carlos-emory-edu/TDsingh
2. https%//emorywheel-com/resident&artist&abhishek&singh&connects&nature&and&hinduism/
3. https%//asiasociety-org/teÛas/artist&abhishek&singh&discusses&drawing&language&layering&stories&through&art
4. https%//abhishekart-com/about&us/